राज
कॉमिक्स
विशेषांक
मूल्य 20.00 संख्या 635
सो जा नागराज
नागराज

नागराज सोएगा तो उसको डरावने सपने आएंगे और जब वह जागेगा तो वे सपने सच हो जाएंगे। सोएगा नहीं तो मर जाएगा नागराज और अगर सोएगा तो इसके सपने महानगरवासियों को मार डालेंगे। इसीलिए हमेशा के लिए...

सो जा नागराज

संजय गुप्ता की पेशकश

कथा :	चित्र :	इंकिंग :	सुलेख व रंग :	सम्पादक :
जॉली सिन्हा	अनुपम सिन्हा	विनोद कुमार	सुनील पाण्डेय	मनीष गुप्ता

सपने हमारे मस्तिष्क की गहराइयों में छिपी हुई वे यादें हैं, जो तब जागती हैं जब मस्तिष्क नींद की गहराइयों में डूब जाता है-

visit us at: www.rajcomics.com
email: rajcomics2000@yahoo.co.in

ये यादें आपस में बेतरतीब तरीके से जुड़ सकती हैं-
खुद को तोड़ मोड़कर विकृत रूप दे सकती हैं-
और किसी भी इंसान को ऐसा भयावह मंजर दिखा सकती हैं-
जो उसकी नींदें उड़ा दे-
नहीं!
लेकिन भगवान का शुक्र है-
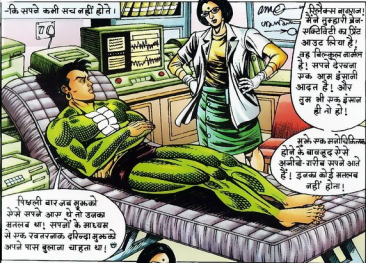
-कि सपने कभी सच नहीं होते।
रिलैक्स नागराज! मैंने तुम्हारी ब्रेन-सस्टिविटी का प्रिंट आउट लिया है! वह बिल्कुल नार्मल है! सपने देखना एक आम इंसानी आदत है! और तुम भी एक इंसान ही तो हो!
मुझे एक मनोचिकित्सक होने के बावजूद ऐसे अजीबो-गरीब सपने आते हैं! इनका कोई मतलब नहीं होता!
पिछली बार जब मुझको ऐसे सपने आए थे तो उनका मतलब था! सपनों के माध्यम से एक खतरनाक दरिन्दा मुझको अपने पास बुलाना चाहता था!
तुम मुझे उन सपनों की डिटेल दे चुके हो! उनमें कोई तुम को आवाज लगाता था! पर तुमने जो सपना कल देखा वह तुम्हारे अनुभवों का एक विकृत रूप था! और कुछ भी नहीं!
तुम कहीं... डर तो नहीं रहे हो न, नागराज?
डर रहा हूं डॉक्टर!
पर अपने लिए नहीं! मैं उस हादसे से डर रहा हूं जो मेरे सपने के कारण आ सकता है!
और कई मासूमों की जान ले सकता है!
बेकार में अपना ब्लड प्रेशर हाई मत करो! सपने अलग होते हैं और वास्तविक दुनिया अलग!
इनको मिलाने की कोशिश मत करो!
अगर दुबारा ऐसे सपने आएं तो फिर मेरे पास आना! मैं कुछ मेडिसिन दे दूंगी! ओ. के.?

"ओ.के. डॉक्टर।"
तुम भी कमाल हो नागराज! एक सपना देखा और साइकेट्रिस्ट के पास चले गए! अगर मैं ऐसा करने लगी तो मैं रोज ही साइकेट्रिस्ट के पास बैठी रहूंगी! तुम शायद रात को सो नहीं पाए! थके लग रहे हो!
मेरी मानो तो यहीं पर रेस्ट रूम में एक झपकी मार लो!
मैं थका नहीं हूं, भारती! चिंतित हूं! वह सपना एकदम वास्तविक लग रहा था। ऐसा लग रहा था जैसे कि...
एक मिनट नागराज!
हमारा पूरा स्टॉफ मेन गेट की तरफ क्यों भागा जा रहा है?
लगता है कि ऑफिस के मुख्य द्वार पर कुछ गड़बड़ है!
मेन एंट्रेंस!
ये तो मेरे सपने जैसा...
...मुझको देखना होगा!
देखना ही होगा!
FIRE EXIT
हे देव कालजयी! ये तो हू-ब-हू...

...मेरे सपने जैसा ही दृश्य है! कहीं... कहीं मैं फिर से सपना तो नहीं देख रहा हूं!
नागराज! मुझे पता था कि तुम यहीं पर मिलोगे! और हमको मुसीबत से बचाओगे!

बिल्कुल वही बातें! ऐसा लगता है जैसे कि मैं वही सपना दुबारा देख रहा हूं!
लेकिन ये पक्का करने के लिए मुझे भी वही बोलना पड़ेगा जो मैंने अपने सपने में बोला था!
'हमको' से तुम्हारा क्या मतलब है विसर्पी? और तुम किस मुसीबत की बात कर रही हो? यहां तो कोई भी नजर नहीं आ रहा है!
'हम' से मेरा मतलब नागद्वीप वासियों से है! और मुसीबत में तो मैं खुद खड़ी हुई हूं!
ये नौका ही मुसीबत है! पर कैसे?
ऐसे!
ओह! बिल्कुल सपने जैसा ही हो रहा है! नौका टूट रही है! और अगर सब कुछ सपने की तरह ही हो रहा है तो नौका के टुकड़े नए रूप में जुड़ेंगे...

... और एक खतरनाक जीव का रूप धारण कर लेंगे!
नागराज बचाओ!
लकड़ी के फट्टों पर उड़ता हुआ एक नावसर्प! पहले विसर्पी को बचाना होगा!
तड़क

और फिर इसको नागसर्प से दूर सुरक्षित जगह पर पहुंचाना होगा! जैसे कि किसी ऊंची ईमारत की छत!
नागराज!
क्या, विसर्पी?
नीचे देखो!
दरवाजा! छत में एक सड़ा-गला दरवाजा लगा है! मैं सपने की कुछ चीजें भूल गया था! अब देखकर फिर से याद आ रहा है!
लेकिन अब इसका...
...कोई फायदा नहीं है!
अब हम एक चिकनी और घुमावदार सुरंग से कई मंजिल नीचे गिरते जाएंगे...
...और जमीन पर पहुंचते ही...
...नागसर्प के पेट में समा जाएंगे!

तुमको ये सब पहले से कैसे पता है? और पता है तो ये बताओ कि अब होगा क्या, नागराज?
पता नहीं, विसर्पी! मेरा सपना यहीं पर टूट गया था और मैं जागकर बैठ गया था!
पर इसके आगे क्या होगा, यह मैं...
नहीं!
सपना? कैसा सपना?
ये सारी घटनाएं मैं सपने में पहले ही देख चुका हूं विसर्पी!
नावसर्प ने विसर्पी को गटक लिया था-
और अब नागराज के सामने एक ही रास्ता बचा था-
विसर्पी के पीछे-पीछे नावसर्प के गले के पार जाने का-
लेकिन विसर्पी तो अब तक नावसर्प के पेट में मौजूद घातक पाचक रसायनों से घिर चुकी थी-
विसर्पी!
अपना हाथ दो मुझे!

हाथ दो मुझे!
हाथ दो...
विसर्पी!
विसर्पी गल गई!
अब यही हाल तुम्हारा होगा, नागराज!
कौन?
ये कौन था? जो आया और चला गया! पर मुझको इतना तो पता चल गया कि यह सारा षड्यंत्र इसी का रचा हुआ है!
लेकिन इसको ढूंढने के लिए पहले मुझको जिन्दा रहना पड़ेगा!
तुम्हारी मौत का फरिश्ता!
अलविदा नागराज!
और यह काम आसान नहीं है, क्योंकि विसर्पी को गलाने वाले रसायनों की बाढ़ तेजी से इस नली में ऊपर चढ़ती चली आ रही है!

मुझको नावसर्प के शरीर को फोड़कर बाहर निकलना होगा!
नागराज के भीषण वार नावसर्प के शरीर को छेदने लगे-
कि बेतहाशा दर्द से तड़पते नावसर्प के वार महानगर पर अंजाने में ही कहर बरसा रहे थे-
घटपपव
पर नागराज इस बात से एकदम अंजान था-
कई मासूमों के साथ मौत लुका-छिपी का खेल, खेल रही थी-

और यही हालत नागराज की भी थी।
ओफ्फ! अगर ये नली पत्थर की होती तो मेरे वार इसको जरूर तोड़ देते! लेकिन ये नली नर्म, मुलायम और लचीले मांस की है! छेद बनते ही भर जा रहा है!
अब तो... खौं खौं... मेरा दम भी घुट रहा है! और नावसर्प की खाने की नली में सांस लेने लायक हवा नहीं है!
अब मेरा दम घुटेगा, मैं बेहोश हो जाऊंगा और रसायनों के तालाब में गिर पड़ूंगा!
मेरी सांस... अरे! एक चीज है जो अभी भी नावसर्प को मात दे सकती है!
दम घुटने ने मुझको एक आइडिया दे दिया है!
नागराज के हाथ मांस की नर्म दीवार में घुसते चले गए-
और भोजन की नली को पार करते हुए-
सांस की नली पर जा कसे-
सांस की नली पिचकती चली गई-
और विनाश फैलाता हुआ नावसर्प का शरीर जमीन पर गिरकर शांत हो गया-

आSSS ह!
नागराज! ये सब क्या हो रहा था? विसर्पी कहां है?
मैं उसको बचा नहीं सका, भारती!
क्या?
हां, भारती!
मेरी आंखों के सामने ही... वह गल गई!
लेकिन अब मैं यह भी जानता हूं कि इस कुकृत्य के पीछे कौन है! मैं उसको ढूंढकर ऐसी सजा दूंगा कि वह जिन्दा रहने के ख्याल से ही सहम उठे!
पर तुम उस दुष्ट तक पहुंचोगे कैसे? वह है कौन?
वह कौन है यह तो मैं नहीं जानता!
लेकिन मुझको उस तक उसका ये पालतू सांप पहुंचाएगा! ये नावसर्प!
पर नावसर्प तो गायब हो रहा है! वह ऊर्जा में बदलता जा रहा है!
क्या?
यानी उस जंगली तक पहुंचने का एकमात्र रास्ता भी बंद हो गया है!

तुमको नागद्वीप से संपर्क करके उनको यह दुखद सूचना तुरन्त देनी चाहिए, नागराज!
तुम सही कह रही हो! यह सूचना मैं अभी महात्मा कालदूत तक पहुंचा देता हूं!
नागराज, कालदूत से मानसिक संपर्क करने लगा-
और-
ये... ये क्या कह रहे हो, नागराज?
मैं सत्य कह रहा हूं महात्मन्! ये हादसा मेरी आंखों के सामने हुआ था!
क्योंकि कुमारी विसर्पी तो मेरी आंखों के सामने बैठी है!
कैसे हो, नागराज?
पर ये असंभव है, नागराज!
क्यों, महात्मन्?
तुम जिसकी बात कर रहे हो वह जरूर कुमारी विसर्पी की मायावी छाया रही होगी!
पर बात है क्या?
कुछ नहीं! मुझको जरूर कुछ गलतफहमी हुई है!
विदा महात्मन्!
क्या हुआ, नागराज?
विसर्पी नागद्वीप में है! और सकुशल है!
क्या? फिर जो हमने देखा था वह क्या था?
यह वही सपना था जो मैंने कल रात को देखा था, भारती!
क्या?

हाँ, भारती! सबकुछ हूबहू वही था! किसर्पी का नौका में आना! नौका का सर्प में बदलना, छत में दरवाजे का बनना और उससे होते हुए मेरा और किसर्पी का नागसर्प के मुँह में गिरना! बस, मेरा सपना वहीं पर टूट गया था!
पर ऐसा हुआ कैसे? सपने कभी-कभी सच हो जाते हैं, पर इस तरह से नहीं!
शायद किसी अदृश्य शक्ति के कारण मुझको आने वाले हादसे की सूचना मिल गई थी!
खैर! नागसर्प ने काफी विनाश फैला दिया है!
इस तबाही को ठीक करने में ही काफी वक्त लग जाएगा!
उतना वक्त तुझको मिलेगा ही नहीं, नागराज! क्योंकि यह तबाही तो तब तक फैलती रहेगी, जब तक कि तू हमेशा के लिए सो नहीं जाता!
और फिर-
तुमको कोई भ्रम हुआ है नागराज! सपने न तो सच होते हैं, और न ही किसी आने वाली आपदा का ऐसे चलती-फिरती फिल्म की तरह का पूर्वाभास देते हैं!
लेकिन ऐसा ही हुआ है, डॉक्टर!
ऐसी एक घटना से किसी नतीजे पर पहुंचना जल्दबाजी होगी!
अगर दुबारा तुमको ऐसा कोई पूर्वाभास हो तो मेरे पास तुरन्त चले आना!

दूसरा स्वप्न तो आना ही था, और वह भी बहुत जल्दी-
हमारा परीक्षण सफल रहा, सरदार! नागराज समझ ही नहीं पा रहा था कि उसके सपने एकाएक जिन्दा कैसे हो उठे!
बहुत अच्छा! लेकिन अब नागराज को यह समझना होगा कि उसके सपने सचमुच जिन्दा हो रहे हैं और महानगर पर कहर बरसा रहे हैं!
उसको पता होना चाहिए कि महानगर के विनाश का कारण वही है!
आज की रात नागराज के लिए कयामत की रात होगी!

कहानी 19 पेज से जारी

स बात को नागराज भी समझ रहा था! और इसीलिए उसने अकेले ही रहने फैसला किया था-
आज मैं राज के इस अपार्टमेंट में रहूंगा!
मैं नहीं चाहता कि मेरे कारण भारती, वेदाचार्य या विषांक परेशान हों!
आज तो बस मैं बिस्तर पर गिरूंगा...
...और सो...जाऊं...
से तो मैं कई तक लगातार जाग कता हूं! लेकिन आजन क्यों आंखें खुली ना भी मुश्किल हो रहा है!
...गा...खर्रर्र ऽऽऽ
नागराज, अपनी मौत की तरफ बढ़ने वाली दूसरी सीढ़ी पर चढ़ चुका था-
महानगर में बाढ़ आ रही है!
पानी तेजी से ऊपर चढ़ रहा है!
पर क्यों? महानगर में तो आज तक बाढ़ कभी आई ही नहीं है!

मुझको पानी के आने की दिशा में तैरकर जाना होगा! तभी पता चल पाएगा कि ये अथाह जल कहां से आ रहा है!
ओफ़! आगे बढ़ने के लिए मुझे बहाव के साथ अपनी तरफ आती ऐसी न जाने कितनी चीजों से लड़ना होगा!
क्योंकि अब बगैर धमाके के बांध में और दरारें पड़ रही हैं! जैसे कोई चीज इसकी दीवार पर पीछे से धक्का दे रही हो!
ये है बाढ़ का कारण! महानगर के पास बना कोली बांध! इसका एक छोटा सा हिस्सा टूट गया है! पर क्यों? क्या कारण है इस मजबूत बांध के टूटने का? बम का धमाका? नहीं!
ऐसी कौन सी चीज है जो बांध की दीवार को तोड़ सके!
आऽऽऽह! प्रलय जैसा हादसा घट रहा है!
बांध का एक बड़ा हिस्सा टू गया है! कौन सकता है ऐसा असंभव कार्य

ये... ये...
तो एक
ीमकाय...
ट-फिश है।
... मैं इस शक्ति के पहाड़ से नहीं जीत सकता! कभी नहीं!
कभी नहीं!
नहीं...

...नहीं!
व्हियू!
थैंक गॉड कि ये बस एक बुरा सपना था! सिर्फ एक सपना!
सिर्फ एक सपना?
या...
...नहीं! सड़क पर पानी बह रहा है! लगभग छः फुट गहरा पानी! ठीक मेरे सपने जैसा!
21
DLF APARTMENTS
यानी मेरा सपना फिर से सच होरहा है!
बांध अ
थोड़ा सा
है!
लेकिन वह जल्दी ही पूरा टूट जाएगा!
मुझको इस हादसे को रोकना होगा!
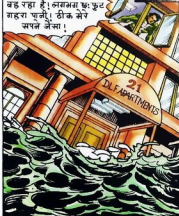
सपने में तैरना इतना मुश्किल नहीं था! बहाव कुछ ज्यादा ही तेज है!
और तेज बहाव के कारण यह ट्रक जैसी चीजें भी मेरी तरफ तेज गति से ही बढ़ रही हैं!
हम्म्फ!
...कि अभी शहर पानी में इतना नहीं डूबा है...
...कि मुझे बांध तक पहुंचने के लिए तैरने की जरूरत पड़े!
अरे! ये मुझको क्या हो गया है! सपने की हूबहू नकल करने में मैं यह समझा ही नहीं...
NO 231
जब इमारतों का इलाका खत्म हो जाएगा तो मैं फिर से पानी में कूद पड़ूंगा!
बस! इमारतें यहीं तक हैं! अब मुझको तैरना ही पड़ेगा!
लेकिन बांध अब यहां से ज्यादा दूर नहीं है!
वह रहा बांध! एक छोटे से हिस्से को छोड़कर ये अभी तक सलामत है!
और मैं इसको इसी हालत में रखूंगा!

लेकिन अगर मेरा सपना यहां तक सही है तो फिर वह विशालकाय जलदैत्य भी एक सच्चाई ही होगा!
और मुझको इस बांध को तोड़ पाने से पहले ही उसे रोकना होगा!
वह रहा! और यह दैत्य तेजी से बांध पर वार करने के लिए बढ़ रहा है!
लेकिन बांध तो पहले से ही थोड़ा सा टूटा हुआ है! यानी ये इसका पहला नहीं दूसरा वार होगा!
और जिस गति से ये बांध की तरफ बढ़ रहा है, उससे बांध का टूटना तय है!
मुझे इसको वार करने से पहले ही रोकना होगा!
छपाक
नागराज ने असाधारण हिम्मत का परिचय तो दिया था-
लेकिन यह उसको भी पता था कि जलदैत्य से निपटने के लिए सिर्फ हिम्मत ही काफी नहीं थी-

नागराज के वार उसके शरीर पर मच्छर के डंक से भी कम असर डाल पा रहे थे-
आऽऽह! पानी के अंदर पैर टिकाने की कोई जगह नहीं है! मैं इसको रोकना तो दूर, इसकी गति को कम तक नहीं कर पा रहा हूं!
उस भीषण धक्के से-
नागराज का शरीर ही बांध की कमजोर दीवार को तोड़ता हुआ, पार हो गया-
और बांध के जलाशय में लबालब भरा हुआ पानी, प्रलय की गति से महानगर की तरफ बढ़ने लगा-
ये प्राणी तुम्हारा पैदा किया हुआ है, नागराज...
आऽऽऽह! ऐसे अद्भुत प्राणी तो न देखे न सुने! फिर ये आया कहां से है?
किसी दूसरे ग्रह से या किसी दूसरे आयाम से?
कौन?

तुम ? तुम तो वही हो जो मुझको नागसर्प से हुई मुठभेड़ के दौरान नजर आए थे ! कौन हो तुम, और इन अजीबो-गरीब दैत्यों से तुम्हारा क्या संबंध है ?
मेरे नहीं बल्कि ये तुम्हारे संबंधी हैं नागराज ! ये तुम्हारे सपनों से पैदा हुए प्राणी हैं तुमने ही इनको बनाया है !
अब जब-जब तुम सोओगे, तब-तब ऐसे दैत्य पैदा होते रहेंगे और विनाश फैलाते रहेंगे।
और ऐसा तब तक होता रहेगा, जब तक तुम्हारे सपनों द्वारा पैदा हुए प्राणी तुम्हारा ही अंत नहीं कर देते !
अलविदा, नागराज !
... होगा !
आऽऽऽह !
अच्छा हुआ कि इसने मुझको रोक लिया ! क्योंकि मेरा पहला काम उस जंगली के पीछे जाना नहीं, बल्कि पानी के इस प्रलयंकारी बहाव को रोकना है जो महानगर को जलसमाधि देना चाहता है !
और ये काम इस जल दैत्य को काबू में करने के बाद ही किया जा सकता है ! क्योंकि जब तक ये दैत्य आजाद है, तब तक मैं कुछ भी नहीं कर पाऊंगा !
ये तो जा रहा है !
मुझे इसको रोकना...

इस दैत्य पर विषदंश का प्रयोग करने के अलावा और कोई रास्ता नहीं है!
क्योंकि जल के अंदर मेरी और कोई शक्ति काम नहीं आएगी!
अब जल्दी बैटफिश मेरे विष की गर्मी से गल जाएगा और...
आऽऽऽह! मेरा सबसे बड़ा हथियार इसके विशालकाय आकार के कारण बेअसर हो गया! अब मैं इससे कैसे निपटूं?
पानी का तेज बहाव मुझको बांध से दूर ले जा रहा है!
अब तो महानगर डूबकर ही रहेगा! और वह भी मेरे सपने द्वारा पैदा हुए प्राणी के कारण!
अब मैं... आऽऽऽह!
SEA Explorer LTD
ये कहां पर आ गया हूं मैं?
ये तो 'अंडर-सी' एक्सप्लोरेशन के उपकरण बेचने वाली कंपनी है!
इनकी मदद से समुद्र के अंदर की खदानों से बहुमूल्य खनिजों को निकाला जाता है! शक्तिशाली वैक्यूम के जरिए!
लेकिन आज इसको एक दूसरा काम करना पड़ेगा!
BATHOSPHERE

अपने फेफड़ों में फिर से सांस भरने के बाद नागराज एक बार फिर जलदैत्य की तरफ बढ़ चला था-
और इस बार वह खाली हाथ नहीं था-
अगर ये अंडर सी वैक्यूम यंत्र मेरी मदद नहीं कर पाया तो फिर महानगर हमेशा के लिए पानी के नीचे डूब जाएगा!
और मैं खुद चुल्लू भर पानी में डूब मरूंगा!
ये रहा जलदैत्य! अब मुझको इसके वारों से बचते हुए इसके मुंह तक पहुंचना है!
ये मुझको निगलने की कोशिश करेगा, और मैं यही चाहता हूं!
इसको भी उसी तरह से मारना पड़ेगा जिस तरह से मैंने नागसर्प को मारा था!
बस इस बार फर्क इतना होगा कि मेरे बजाए ये वैक्यूम मशीन इसके दम को घोटेगी!
वैक्यूम का तेज प्रेशर, जलदैत्य के अंदरूनी अंगों को खींचने लगा-
और जलदैत्य का शरीर ढीला पड़ने लगा-

और कुछ ही देर में जलदैत्य के अंदरूनी अंग पानी में तैर रहे थे-
आऽऽऽह! इस शैतान को तो मैंने खत्म कर दिया। पर अब पानी को कैसे रोकूं? महानगर को डूबने से कैसे बचाऊं?
समझ गया! जिसने पानी को बहाया है, अब वही इसको रोकेगा!
कुछ ही मिनटों में नागराज पानी के बहाव को रोक चुका था-
हो गया काम! अब बस, इस बांध की मरम्मत होने तक ये दैत्य नागसर्प की तरह ऊर्जा में न बदल जाएं!

और फिर-
महानगर में भरा पानी समुद्र के रास्ते बाहर निकल गया है, राज!
और जान-माल का कोई भी खास नुकसान नहीं हुआ है!
लेकिन वह समुद्री जीव कुछ घंटों बाद ऊर्जा में बदल गया था!
लेकिन सपनों में दिखने वाले प्राणी इस दुनिया में कैसे आ सकते हैं राज?
वह और नावसर्प मेरे सपनों से निकले प्राणी थे, भारती! और बैटफिश का देर से ऊर्जा में बदलना यह बताता है कि वे प्राणी अब और स्थायी रूप ले रहे हैं। वे ज्यादा देर तक ठोस रूप में रह सकते हैं!
अगली बार मेरे सपनों से निकले प्राणी और स्थायी होंगे! शायद वे ऊर्जा में बदले ही नहीं!
इस सवाल का जवाब उस जंगली के पास है भारती, जो मुझको दोनों हादसों के वक्त मिला था! पर वह मुझको मिलेगा कहां पर?
न जाने क्यों मुझको पहली बार में ही उसकी शक्ल देखी हुई लग रही थी!
जानते हो, यह सब मुसीबत तुम्हारे अपने अपार्टमेंट में रहने के कारण आई है। अगर तुम हमारे पास होते तो शायद हम तुमको बिस्तर पर कसमसाते देखकर जगा देते!
नागराज को इतनी नींद क्यों आ रही है? इससे पहले तो वह एक दो रातें आराम से जग लेता था!
अब तो मुझको सोना ही नहीं है, भारती!
वर्ना महानगर पर कोई और मुसीबत टूट पड़ेगी! पर इन आंखों का क्या करूं जो बंद हुई जा रही हैं!
आओ, घर चलें राज! ये मुसीबत टलने तक तुम अपने अपार्टमेंट पर कतई नहीं जाओगे!

और उस गुप्त स्थान पर-
आपने नागराज को यह क्यों बता दिया कि ये प्राणी उसके सपनों से ही पैदा हो रहे हैं! अब तो वह सोएगा ही नहीं!
यही तो मैं चाहता हूं, मूर्ख! अपने ही स्वप्न प्राणियों से तो वह निपट सकता है, लेकिन नींद की कमी से नहीं लड़ सकता! नींद की कमी किसी भी इंसान को पांच दिनों में मार सकती है! और नागराज एक मानव ही है! वह मरेगा जरूर! या तो सोकर, या जागकर!
दिन धीरे-धीरे रात में ढल गया-
और रात का समय अपराध के जागने का समय होता है-
चल, शनिबार आ गया! हमारा टैक्स निकाल!
दें क्या भाई? सब कुछ पानी में बह गया है! हमारे खुद के खाने के लाले पड़े हैं!
इस पर तरस मत खाना भाई! पिछली बार रंगाभाई इससे हफ्ता लेने आए थे तो इसने नागराज से उनको पकड़वा दिया था!
इस बार ये गलती नहीं करेगा, काले! क्योंकि उसका बदला तो हमने इसके बेटे को अस्पताल पहुंचा कर निकाल लिया है!
अब तूने नागराज या पुलिस को बुलाया तो तेरी बीवी तेरे बेटे के बराबर वाले बिस्तर पर अस्पताल में पड़ी मिलेगी!
म... मैं किसी को नहीं बुलाऊंगा! पर हफ्ता देने को मेरे पास कुछ नहीं है!

पईसा निकाल वर्ना अपुन तेरी जान निकाल लेगा, बुड्ढे!
टाइम से पहले ही मरने का है क्या?
टाइम तो तुम्हारा पूरा हो गया है! चलो!
जेल में वापस जाने का टाइम आ गया है!
भ... भाई नागराज आस्ते है!
मुझको पता था कि तुम लोग आसानी से अपनी आदतें नहीं छोड़ोगे! इसीलिए मैं अपना एक पहरेदार यहां पर छोड़कर गया था!
लेकिन तुम लोगों को जेल पहुंचाने से पहले... हाऽऽऽ... जरा यह एहसास करा दूं कि इस दुकानदार के बेटे पर क्या बीती होगी!
नागराज कुछ थकेला लग रहा है भाई! अपुन इसका घूंसा बचा गया, पर ये अपुन की किक नहीं बचा पाया।
अरे! बड़ी धीरे हाथ चल रहा है इसका!
अपुन तो आसानी से वार बचा गया!
तू पीछे हट भाई! शायद इसकी पावर खत्म हो गई है!
अपुन अभी टेस्ट कर लेता है! इसके बदन में डालकर

कहानी 35 पेज से

मुझे रोको! खून करने से बचाओ! एक नहीं, फिर और भी ढेर सारे खून करूंगा...
...अगर मैंने कर दिया ये...
10 नवम्बर 2005 से उपलब्ध
मूल्य: 20/-
पहला खून
राज कॉमिक्स में देश के बेटे सुपर इंडियन का रोमांचक कॉमिक विशेषांक

गोलियों के प्रहार ने नागराज को हवा में उछाल दिया-
और-
हे ssss
चल, बार में चलकर सबको ये खबर सुनाते हैं! अरे, हम तो एक झटके में ही दाऊद भाई से भी बड़े डॉन बन जाएंगे!
ही ही हियाsss
अरे! नागराज तो हिल भी नहीं रहा है! उसकी आँखें भी बंद हैं! यानी... यानी ये मर गया!
हमने मार डाला नागराज को! खत्म हो गया नागराज!
ए! उठो नागराज!

अरे क्या है, सौडांगी? सोने दो न!
भारती ने तुम पर हर समय नजर रखने की जो सलाह हमको दी थी, वह एकदम ठीक ही दी थी!
उठो!
पीं
क्या हुआ, सौडांगी?
कुछ गुंडे नागराज पर गोली चलाकर भाग गए! तब नागराज जो गिरा है तो उठ ही नहीं रहा है! सोता जा रहा है!
इसको जगाते रहना होगा सौडांगी! ताकि ये सपने न देख पाए!
इसको कार में बैठाओ! इसको साइकोलोजिस्ट डॉक्टर मासी के पास लेकर तुरन्त जाना होगा!
वही इसके सपनों के रहस्यों पर से पर्दा हटा सकती है!
और फिर-
अब कैसा लग रहा है, नागराज! मैंने तुमको एक ऐसे 'स्ट्यूमुलेंट' का इंजेक्शन लगा दिया है जो तुमको सजग और सतर्क रखेगा!
फिलहाल इससे ज्यादा मैं और कुछ नहीं कर सकती! जब तक दवाई का असर रहेगा तुमको नींद नहीं आएगी!
तुम चलो भारती! मैं कुछ काम निपटा कर वहां आती हूं!
मुझको खुद यह समझ में नहीं आ रहा है कि तुम्हारे सपने वास्तविक होकर इस दुनिया में कैसे आ सकते हैं!
यह तो मुझे भी नहीं पता! काश! मुझको वह जंगली मिल जाए!
या मुझको ये याद आ जाए कि मैंने उसे पहले कहां मिला था

इसका तो एक सीधा सा तरीका है नागराज! मैं तुमको हिप्नोटाइज करूंगी! और तुमको वह सब याद आ जाएगा जो तुम्हारे अचेतन मस्तिष्क में छुपा हुआ है! देखो, इस झूलती घड़ी की तरफ ध्यान से देखो! देखो!
हा हा हा!
तु... तुम हंस क्यों रहे हो?
क्योंकि तुम मुझको हिप्नोटाइज नहीं कर सकती!
मुझको अगर कोई हिप्नोटाइज कर सकता है तो सिर्फ मैं खुद!
वैसे तुम्हारा सुझाव अच्छा है! गुड! मुझको एक आइना देना!
MICROSCOPIC LAB
ये लो!
नागराज स्वयं को सम्मोहित करने लगा-
और उसके अचेतन मस्तिष्क की पर्तें खुलने लगीं-
नागराज! ये नागराज!
क्या हो रहा है यहां पर?
भारती न्यूज चैनेल के माध्यम से मुझे खबर मिली थी कि मेरी यहां पर सख्त जरूरत है!
वह खबर हमने ही भेजी थी!
क्योंकि हमको यहां पर तुम्हारी सख्त जरूरत है!

दरअसल हम एक गैर सरकारी संस्थान 'भावना' से हैं और हमने इस पिछड़ी बस्ती में 'पल्स पोलियो' का कैम्प लगाया है। लेकिन इन अनपढ़ बस्ती वालों के दिमाग में पोलियो की दवाई को लेकर वहम है!
हमने सोचा कि ये अमिताभ बच्चन, शाहरुख खान और सचिन तेंदुलकर की सलाह तो मान नहीं रहे हैं, शायद ये तुम्हारी सलाह मान लें! आखिर तुम भी तो एक मशहूर अंतर्राष्ट्रीय हस्ती हो!
मैं ऐसा नहीं मानता लेकिन बच्चों का भविष्य संवारने के लिए मैं कुछ भी करने को तैयार हूं!
बताइए कि मुझको क्या करना होगा!
POLIO Drops
ICE BOX
ये लोग दवाई को हानिकारक समझ रहे हैं! तुम इस दवाई को इनके सामने पीकर दिखा दो तो इनका ये वहम मिट जाएगा और हम हजारों बच्चों को पोलियो से बचा सकेंगे!
ये देखिए! इस दवाई में कुछ भी हानिकारक नहीं है! ये एकदम सुरक्षित है!
धन्यवाद नागराज!
तुमने हमारा बहुत बड़ा काम कर दिया है!
हैं!
वैसे तो ये दवाई पांच साल तक के बच्चे ही पीते हैं, लेकिन मैं इनका वहम जरूर मिटाऊंगा!

क्या हुआ, नागराज? कुछ याद आया? पता चला उस रहस्यमय अंगली का?
हाँ, डॉक्टर!
उसने मुझको कोई दवाई पिलाई थी!
पल्स पोलियो के धोखे से!
ओह! और उसके बाद से ही तुमको अजीबोगरीब सपने दिखने लगे जो असली रूप लेकर विनाश फैला रहे हैं!
यस!
यानी ये सब उसी रहस्यमय दवाई के कारण है!
मुझको तुम्हारा ब्रेन सीरम लेकर टेस्ट करना होगा!
थोड़ी ही देर बाद-
तुम्हारे सीरम में एक अनोखा द्रव है नागराज! ऐसी किसी चीज को मैंने पहले कभी नहीं देखा।
शायद यही तुम्हारी मुसीबतों का कारण है! पर... पर यह है क्या?
क्या कुछ गड़बड़ है, डॉक्टर?
ये दवाई नागराज के ब्रेन सेल्स को मारती भी जा रही है! इस कमी को सिर्फ सोकर यानी दिमाग को आराम देकर ही पूरा किया जा सकता है!
यानी...
यानी नागराज अगर नहीं सोया तो ये मर जाएगा! दो दिनों के अंदर- अंदर!
और अगर मैं सोया तो महानगर मर जाएगा! क्या उस रहस्यमय दवा की कोई काट नहीं है!
नहीं! इस स्वप्न बूटी के अर्क का सिर्फ एक ही इलाज है!

तुमको उस दिमाग को मारना होगा जो तुमको ये सपने दिखा रहा है।
आ... आप कौन हैं?
ये मेरे पुराने मित्र हैं! आयुर्वेद के महान ज्ञाता भीलराज अकोला!
जैसे ही सौडांगी ने मुझे यह बताया कि तुमको किसी जंगली पर शक है तो मैंने इनसे संपर्क किया! ये महानगर के पास वाले जंगल नेशनल फॉरेस्ट में ही रहते हैं!
ये तुरंत यहां आ गए!
ये स्वप्न बूटी अफ्रीका के जंगलों में पाई जाती है।
तुमको किसी अफ्रीकी टोने के ज्ञाता ने ये अर्क पिलाया है!
इसके पीने से होता क्या है भीलराज?
जिसने तुमको यह अर्क पिलाया है, अर्क का आधा भाग उसने खुद पिया हुआ है! उसका दिमाग तुम्हारे दिमाग से जुड़ गया है। वह तुमको अपनी मर्जी के स्वप्न दिखा रहा है और तुम्हारी इच्छाधारी शक्ति उन सपनों के जीवों और घटनाक्रम को सजीव बना रही है!
ये अर्क, नींद भी लाता है और सपने भी दिखाता है!
ओह! फिर मैं क्या कर सकता हूं?
अब तुमको उस दिमाग पर हावी होना होगा जो तुमको सपने दिखा रहा है!
खत्म करना होगा उस दिमाग को! फिर ये अर्क अपने आप बेअसर हो जाएगा।
लेकिन मैं उस शख्स को कैसे ढूंढूं जो मुझको सपने दिखा रहा है?

उसको ढूंढने का रास्ता तुम्हारे सामने है नागराज! सपनों का रास्ता! तुम दोनों सपनों के द्वारा जुड़े हुए हो!
फर्क सिर्फ इतना है कि वह जागते हुए तुमको वह सपने दिखाता है जो तुम सोते वक्त देखते हो!
अगर तुम अपने दुश्मन को सपने में मार दोगे तो उसका दिमाग मर जाएगा!
वह कोमा में चला जाएगा, और तुम्हारा पीछा उससे छूट जाएगा! पर ध्यान रखना...
अगर उसने सपने में तुमको मार दिया...
...तो तुम्हारा भी यही हाल होगा! हमेशा के लिए कोमा में चले जाओगे तुम!
लेकिन मेरे सपने के घटनाक्रम को मेरा दुश्मन कंट्रोल कर रहा है क्योंकि वह जाग रहा है! मैं सपने सोकर देखता हूं और सोते-सोते मैं अपने सपनों को कंट्रोल नहीं कर सकता!
ल्यूसिड ड्रीम्स! यस!
ये क्या कह रही हो, डॉक्टर सासी? इसका क्या मतलब है?
ल्यूसिड ड्रीम्स उन सपनों को कहते हैं जिनको तुम अपना मनचाहा रूप दे सकते हो! मनमाना घटनाक्रम बना सकते हो!
सोते-सोते?
यस! सोते-सोते! और यह एक वैज्ञानिक तथ्य है, कोई दिमागी ख्याल नहीं है!
बस तुमको चाहिए मेरी एक दवाई और ढेर सारी इच्छा-शक्ति!
फिर तुम अपने सपनों को कंट्रोल कर सकोगे!
ऐसा क्यों नागराज?
और उसके बाद पहली बार मैं सोते वक्त दुश्मन से मुकाबला करूंगा।
पर एक बात का सभी ध्यान रखें!
मुझको जगाएं मत! किसी भी हालत में!
क्योंकि मेरे जगते ही मेरा स्वप्न असली बन जाएगा और फिर मुझको अपने ही सपने से लड़ना होगा! गुडनाइट!

नागराज की आंखें बंद होते ही-
इसकी सूचना कहीं दूर पर पहुंच गई-
नागराज तो सो रहा है, सरदार!
क्या ? यह जानते हुए कि उसके सपने महानगर पर कहर ढा सकते हैं, वह सो रहा है!
शायद वह नींद से लड़ नहीं पाया होगा!
नहीं! नागराज इतना कमजोर नहीं है! अगर वह सो रहा है तो उसके पीछे कुछ कारण जरूर है!
उसको सपने दिखाने से पहले मुझको उसके अचेतन मस्तिष्क तक पहुंचकर उसके इस दुस्साहस का कारण पता करना होगा! और उसके बाद मैं ऐसा जाल बुनूंगा कि नागराज सोए या जगे वह मरेगा! और अभी मरेगा!
आहा! मुझको पता चल गया! नागराज को किसी आयुर्वेदाचार्य ने यह बता दिया है कि उसके साथ क्या हो रहा है!
अब वह मुझको ढूंढने की कोशिश करेगा! और यहीं पर आएगा इस खेल का असली मजा!
अब मैं अपनी चाल को पलट दूंगा! अगर नागराज को सपने की याद ही न रहे तो फिर वह क्या करेगा?

नई चाल चली जा चुकी थी-
नागराज! नागराज!
नागराज!
क्या है, भारती? तुमने मुझको उठा क्यों दिया? मैंने साफ तौर पर मना किया था कि मुझको जगाना मत!
लेकिन तुम नींद में बुरी तरह से कराह रहे थे! अपने आपको मार रहे थे! और बीच में तुम्हारी सांस भी रुक गई थी!
इसीलिए मुझे मजबूर होकर तुमको जगाना पड़ा!
ओफ़! ये तुमने क्या किया? अब मेरा सपना सच हो जाएगा! और अपने दुश्मन को ढूंढने के बजाय मैं अपने सपने से ही लड़ता रह जाऊंगा!
पर तुम्हारा सपना क्या था?
सपने में मैंने देखा कि... कि...
क्या देखा?
मैंने देखा! ओफ़! मुझको सपना याद ही नहीं आ रहा है!
ऐसा होता है, नागराज! कई बार हम सपने देखकर भूल जाते हैं! पर सपना तो तुमको याद करना ही पड़ेगा!
दिमाग पर जोर दो, नागराज!
याद करो...
...याद करो!

भारती! यह तुमको क्या ?
गिली, गिली!
सिर्फ यही नहीं...
... इसके साथ-साथ तुम्हारे सभी प्रियजनों के रूप बदल चुके हैं! ये मेरी प्रजाति में शामिल हो चुके हैं!
और ऐसा इसलिए है क्योंकि मैंने इनको काटकर अपने विषाणु इनके अंदर पहुंचा दिए हैं! और अब ऐसा ही मैं सभी महानगर वासियों के साथ करूंगा!
तू... तू जो भी है, मैं ऐसा तुझको नहीं करने दूंगा!
जो भी है? मुझे नहीं पहचानता नागराज! मुझे सपने में पैदा करके तू मुझको भूल गया? अरे, मैं काटकर हूं! एक 'वैम्पायर प्लांट'! और मुझको तो तू तब रोक पाएगा जब इनसे बच पाएगा!
अब पहले अपने प्रियजनों को मार, और फिर आ मेरे पीछे!
वैम्पायर प्लांट! कैसा अजीबोगरीब सपना देखा है मैंने! ऐसा भी कोई प्राणी भला कभी हुआ है!
लेकिन अगर मेरे सपने ने इसको बनाया है, तो मुझे ही इसको रोकना होगा!

क्या कहा ? गर्रर्रर्र! काटकर को रोकेगा तू ? हमारी जाति को बढ़ने से रोकने की कोशिश करने वालों की हम धड़कनें रोक देंगे!
ओफ्फ! वैम्पायर प्लांट तो भाग रहा है!
मेरे पास उससे भी अच्छा आइडिया है! हम नागराज को भी अपनी जाति में शामिल कर लेते हैं!
ओऽऽऽह! मैं इन पर वार नहीं कर सकता! ये सब मेरे मित्र रहे हैं! मेरी मदद की है इन्होंने!
लेकिन बगैर इन पर काबू पाए मैं काटकर को रोकने भी नहीं जा सकता! बीच का रास्ता निकालना पड़ेगा!
ध्वंसक सर्पों से आग लगाकर...
आग! हाहाहा! तू तो यहीं पर नर्क बना रहा है!
बना, बना! हमको आग बहुत पसंद है!
धुआं होगा तो 'फायर स्प्रिंकलर' सिस्टम चालू हो जाएगा...
ये आग जलाने के लिए नहीं, धुंआ पैदा करने के लिए है!

और हम फिसल-फिसलकर गिरेंगे! तो ये थी तेरी चाल! लेकिन तेरी ये चाल तुझको बचा नहीं पाएगी! हमको अपने आपको संभालने में ज्यादा देर नहीं लगेगी!
अब मेरे वापस आने तक...
...तुम सब लोग बेहोश रहोगे!
और मैं तुम सबको ठीक करने का तरीका भी साथ में लेता आऊंगा!
संभलने की जरूरत नहीं है!
काश मुझको याद आ जाए कि सपने में मैंने क्या किया था, तो मैं काटकर से निपटने का तरीका जान जाऊंगा!
पर मुझे तो यह भी याद नहीं आ रहा है कि ये सपना मैंने कहां तक देखा था?
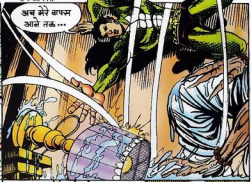
रुक जा, काटकर! अब तू और किसी को 'वैम्पायर प्लांट' नहीं बना पाएगा! बल्कि जिनको तूने वैम्पायर प्लांट बनाया है उनको भी ठीक करने का तरीका बताएगा! बता!
घ
ड़ा
क
वर्ना क्या तू अपने ही बच्चे को मारेगा, नागराज?
अरे! तू ही तो मेरा स्वप्न पिता है न!
बच्चे बिगड़ जाएं तो उनको ठीक करने के लिए उनको पीटना भी पड़ता है! और अगर बात हद से आगे बढ़ जाए तो उनको पुलिस के हवाले भी करना पड़ता है!
घ
म
म
म
ये बच्चा बाप से पिटेगा नहीं, बाप को पीटेगा!
और उसको भी अपने जैसा बुरा बना देगा! सर्रर्रर्र!
पता नहीं मैं इसको अपने सपने में रोक भी पाया था या नहीं! इधर मैं इससे लड़ रहा हूं...
...और उधर ये अपनी शाखाओं से मानवों को वैम्पायर प्लांट में बदलता जा रहा है!
क
ड़
क
वैम्पायर प्लांट की गर्दन से सर्प रस्सी लिपटी-
प्लांट होने के कारण इस वैम्पायर को धूप का भी डर नहीं है! बल्कि धूप तो इसको इसका भोजन बनाने में मदद देकर और शक्ति दे रही है!
पर इसकी कोई न कोई कमजोरी तो होगी ही न! और वह है इसकी जड़ें...
इसकी जड़ों को जमीन से दूर रखना होगा!

उसकी जड़ों का संपर्क जमीन से कट गया-
कट
और वैम्पायर प्लांट हवा में झूलने लगा-
इसीलिए कोई और तरीका आजमाना पड़ेगा!
कड़
कड़ाक
ऐसे!
ये सिकुड़ रहा है! जमीन से संपर्क टूटते ही ये मर रहा है! मैंने इसका काम तमाम कर दिया है!
लेकिन अगर ये मर गया तो मैं इसके मालिक तक कैसे पहुंचूंगा! ये तो पक्का है कि ये मुझको कुछ बताएगा नहीं!
अरे! तूने मुझको आजाद कर दिया!
हां! क्योंकि मैं तुझको तड़पा-तड़पाकर मारना चाहता हूं!
धड़ाक
और ऐसे!
कड़
कड़ाक
ओह! मैं फंस गया! मैं फंस गया हूं!
ईयायाया!
भागना होगा! मुझको यहां से भागना होगा!
ये भाग रहा है! ठीक वैसा ही हुआ, जैसाकि मैंने सोचा था! ये एक जानवर है! और जानवर जब भी खतरे में होता है तो अपने घर की तरफ ही भागता है!

जुलू के बारे में जानने के लिए पढ़ें—'केंचुली'

आऽऽऽह! मैं इसको देख नहीं पा रहा हूं और ये मुझे घाव पर घाव दिए जा रहा है! मुझे डर है कि कहीं ये मेरे किसी अंग को काटकर शरीर से अलग करने में कामयाब न हो जाए!
मुझे जल्दी ही इसका पता लगाना होगा!
लेकिन बदलते रंगों के बीच में मैं भला इसको कैसे ढूंढ सकता हूं?
आऽऽह! मेरी आंखें! ओफ! अब तो मैं रंगों को भी देख नहीं सकता! फिर भला मैं जुल्लू को कैसे ढूंढूंगा!
हा हा हा! मैं जानता था कि अंत में तेरा यही हाल होगा नागराज...
... तड़प-तड़पकर मरेगा तू!
आऽऽह! काश मेरे पास कोई ऐसी शक्ति होती जिससे कि मैं इसको देख सकता तो...
... है! ऐसी एक शक्ति तो है मेरे पास!
सर्पों के मस्तक पर अपने शिकार की ऊष्मा को भांप सकने वाला एक 'इन्फ्रारेड' केन्द्र होता है! आज तक मैंने उस केन्द्र को न ही ढूंढा और न ही जाग्रत किया है!
लेकिन थोड़े से प्रयास के बाद मैं ऐसा कर सकता हूं!
कर सकता हूं!
कर लिया!
'मर लिया' बोल नागराज!

अब मरेगा तू जुलू! जेल की सलारवों के पीछे!
और वहां पर मुझको पहुंचाएगा कौन? अंधा नागराज?
मैं अब अंधा नहीं हूं जुलू!
नागराज का तीसरा नेत्र खुल चुका है!
और ये तीसरा नेत्र तेरा विनाश करने के लिए खुला है!
फूऊऊऊ
कैसे? ओक्... खों खों... आक्...
आक्!
आऽऽऽह!
आऽऽऽह! मैं तो रंगो के बीच में छुपा हुआ हूं! और तू अंधा है!
फिर भी तू मुझको कैसे देख रहा है, नागराज?

खत्म हो गया जुलू का षड्यंत्र! लेकिन चारों तरफ अंधेरा सा क्यों गहराता जा रहा है?
मैं... मैं... इन्फ्रारेड केन्द्र' की मदद से भी कुछ क्यों नहीं देख पा रहा हूं! क्या ये जुलू का कोई और षड्यंत्र है?
जुलू किधर है?
जुलू...
...जुलू...
जुलू
नागराज!
नागराज! तुम ठीक तो हो न?
ये... ये... यानी ये सब एक सपना था! सिर्फ एक सपना!
इसमें आप सबने मेरी मदद की है! और इसके लिए मैं आप सबका शुक्रगुजार हूं!
तुम्हारी सबसे बड़ी मदद तुम्हारी इच्छाशक्ति ने की है, नागराज!
ये सपना हकीकत से भी ज्यादा सच्चा था, नागराज! ये तुम्हारे और तुम्हारे दुश्मन जुलू के दिमागों की लड़ाई थी! और तुम्हारा सही-सलामत जागना यह बताता है कि तुमने दुश्मन के दिमाग को चोट देकर उसे सुप्तावस्था में पहुंचा दिया है!
अब तुम एकदम स्वस्थ हो, और खतरे से बाहर हो नागराज!
और कहीं दूर-
उठो, सरदार उठो!
कुछ तो जवाब दो!
अरे! कम से कम गर्दन तो हिला दो!
अच्छा 'हूं' ही बोल दो!
अरे! हिल के तो दिखाओ!

समाप्त.